



NAETISL

National Association of
Educational Translators and
Interpreters of Spoken
Languages



MODDC

Missouri Developmental
Disabilities Council

स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग्स: एक पेरेंट गाइड

मिसौरी डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज़ काउंसिल ने मिसौरी में सपोर्टिंग लैंग्वेज एक्सेस इन स्कूल्स प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग दी थी। इसे एडमिनिस्ट्रेशन फॉर कम्युनिटी लिविंग (ACL), U.S. डिपार्टमेंट ऑफ़ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज़ (HHS) ने कुल \$1,361,246 के फाउनेंशियल असिस्टेंस अवार्ड के हिस्से के तौर पर सपोर्ट किया था, जिसमें 100 परसेंट फंडिंग ACL/HHS ने की थी। कंटेंट लेखक के हैं और ज़रूरी नहीं कि यह ACL/HHS, या U.S. सरकार के ऑफिशियल विचार हों, या उनका सपोर्ट हो।



naetis@gmail.com

NAETISL



Follow us



MODDC



moddc@moddcouncil.org



www.naetis.org

www.moddcouncil.org





स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग्स: एक पेरेंट गाइड

स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग क्या है?

यह एक इंडिविजुअलाइज़्ड एजुकेशन प्रोग्राम (IEP) मीटिंग है जहाँ स्टूडेंट अपनी पढ़ाई की प्लानिंग खुद करते हैं। बड़ों के ज़्यादातर बातचीत को लीड करने के बजाय, स्टूडेंट एक्टिवली हिस्सा लेते हैं और कभी-कभी मीटिंग के कुछ हिस्से खुद भी चलाते हैं।

स्टूडेंट्स के लिए अपनी IEP मीटिंग्स को लीड करना क्यों ज़रूरी है?

जब स्टूडेंट्स लीड करते हैं, तो वे अपने लिए बोलना (सेल्फ-एडवोकेसी) और अपने भविष्य के बारे में फैसले लेना (सेल्फ-डिटरमिनेशन) सीखते हैं। इससे उन्हें स्कूल में सफल होने और ग्रेजुएशन के बाद नौकरी या कॉलेज की तैयारी करने में मदद मिल सकती है।

स्टूडेंट-लेड IEP, रेगुलर IEP से कैसे अलग है?

ट्रेडिशनल मीटिंग में, स्टूडेंट आमतौर पर सिर्फ 3% समय ही बोलते हैं। स्टूडेंट-लेड मीटिंग में, स्टूडेंट ज़्यादा शेयर करता है, फैसले लेने में मदद करता है, और चुपचाप हिस्सा लेने के बजाय एक्टिव रोल निभाता है।

क्या सभी स्टूडेंट स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग में हिस्सा ले सकते हैं?

स्टूडेंट की उम्र, ज़रूरतों और ताकत के आधार पर हिस्सा लेने की क्षमता को एडजस्ट किया जा सकता है। छोटे स्टूडेंट बस अपना काम शेयर कर सकते हैं या इस बारे में बात कर सकते हैं कि उन्हें क्या सीखने में मज़ा आता है। बड़े स्टूडेंट पूरी मीटिंग को लीड कर सकते हैं और टीम को फैसले लेने में मदद कर सकते हैं।



naetis@gmail.com

NAETISL



Follow us



MODDC



moddc@moddcouncil.org



www.naetis.org

www.moddcouncil.org





स्टूडेंट्स अपनी IEP मीटिंग्स को लीड करने के लिए कैसे तैयारी कर सकते हैं?
तैयारी बहुत ज़रूरी है। टीचर और पैरेंट्स स्टूडेंट्स की मदद कर सकते हैं:

- खुद को समझने में: वे किसमें अच्छे हैं, उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और उनकी डिसेबिलिटी सीखने पर कैसे असर डालती है।
- अपनी IEP को समझें: इसमें क्या लिखा है और उनके क्या अधिकार हैं।
- मीटिंग के लिए प्लान बनाएं: क्या कहना है, इसकी प्रैक्टिस करें, एजेंडा बनाएं, और सवालियों के लिए तैयार रहें। वे मदद के लिए प्रेजेंटेशन या दूसरी टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टूडेंट की IEP मीटिंग में पैरेंट्स की क्या भूमिका होती है?
पैरेंट्स इन तरीकों से सपोर्ट कर सकते हैं:

- अपने बच्चे से IEP और मीटिंग प्रोसेस के बारे में बात करके।
- अपने बच्चे को मीटिंग के कुछ हिस्सों (या सभी) को लीड करने के लिए बढ़ावा देकर।
- स्टूडेंट के पार्टिसिपेशन को सपोर्ट करने के लिए टीचर्स और स्कूल स्टाफ के साथ बातचीत में बने रहना।

क्या स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग्स फ्लेक्सिबल होती हैं?

इन्हें करने का कोई एक तरीका नहीं है। हर स्टूडेंट अपनी काबिलियत और कम्फर्ट लेवल के हिसाब से हिस्सा ले सकता है, थोड़ा शेयर करने से लेकर पूरी मीटिंग को लीड करने तक।

स्टूडेंट-लेड IEP मीटिंग्स के लंबे समय के फायदे क्या हैं?

जो स्टूडेंट एक्टिवली हिस्सा लेते हैं, वे ज़्यादा मोटिवेटेड, कॉन्फिडेंट और अपनी बात रखने में माहिर बनते हैं। ये स्किल्स उन्हें स्कूल, काम और ग्रेजुएशन के बाद की ज़िंदगी में मदद करती हैं।

 naetisl@gmail.com

NAETISL



Follow us 

MODDC



moddc@moddcouncil.org 

 www.naetisl.org

www.moddcouncil.org 